an>

Title: Regarding use of fake pesticides in the country.

डॉ. मनोज राजोरिया (करौली-धौलपुर): महोदया, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान किसानों की एक बहुत बड़ी समस्या की ओर दिलाना चाहता हूँ।...(व्यवधान) वर्ष 2014 में जब मोदी सरकार आई थी तो देश में यूरिया की भारी कमी थी।...(व्यवधान) उस कमी को मोदी सरकार ने आते ही जिस तरीके से नीम कोटिड यूरिया बनाकर आज देश के किसानों को यूरिया की सप्लाई पूरी की, इसकी वजह से देश का किसान बहुत लाभ में है और सुखद स्थिति में है।...(व्यवधान) ऐसी ही एक समस्या किसानों की और है। मेरे पास एक रिपोर्ट है कि देश के अन्दर जितने भी कीटनाशक बनते हैं, वर्ष 2014 में 40 प्रतिशत कीटनाशक नकली पाए गए हैं।...(व्यवधान) यह फेडरेशन ऑफ इन्डियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और टाटा स्ट्रेटिजिक मैनेजमेंट ग्रुप की एक रिपोर्ट है।...(व्यवधान) इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2014 तक 40 प्रतिशत कीटनाशक नकली हैं।...(व्यवधान) जिसकी वजह से किसानों का भारी नुकसान होता है और उनकी मेहनत की कमाई नकली दवाइयाँ खरीदने में चली जाती है।...(व्यवधान) यूरिया बनाने वाली कम्पनियाँ रिसर्च पर मात्र एक से दो प्रतिशत ही खर्च करती हैं।...(व्यवधान)

महोदया, मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि इन कीटनाशकों पर भी ध्यान दिया जाए और नकली कीटनाशकों को तुरन्त प्रभाव से रोका जाए और इसकी रिसर्च के लिए अधिक धन आबंटन की व्यवस्था की जाए।...(व्यवधान) धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरो प्रसाद मिश्र,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री शरद त्रिपाठी और

श्री आलोक संजर को डॉ. मनोज राजोरिया द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।